□□□ □□□□

स□□स्थ्य और परिवार कल्या□ □त्रा□□

स□□स्थ्य और परिवार कल्या□ वि□□□

□□□ □□□

अतारांकित प्रश्न □ख□□ 1027

22 □□म□□, 2019 **को पूछे जाने वाले प्रश्न** □□ □त□□

बौने बच्चों के संबंध म यूनिसेफ का रिपोट

1027. □□. □□□न□ □□□□□□

श्री मन्ने श्रीनिवास रेड्डीः

श्री वि□□□ □□□□ □□□□□

श्री □□□ □□□श□□ □□□□

श्री भोला सिंहः

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने का कृपा करगे किः

(□) क□□ □□□□□ □□ 'स□□ □ □ □ वल्ड□ चिल्ड्रन 2019 चिल्ड्रन' □□□□ □□□□□□ □ा वि□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□ ब□□□□ क□□ □□;

(ख) क्या यह रिपोट बताती है कि भारत म 87 प्रतिशत बच्चे या तो बौने या अविकसित है □□ □□ □□□ □□□□□□ या दोनों प्रकार के है □□ □□□ □□□तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और वष 2016 □□ 2018 □□□□□□□ □□□□□□ □□ वज़न वाले बच्चों म क्रमशः 3.7 प्रतिशत और 2.3 प्रतिशत का कमी होने के सरकार के दावे का औचित्य क्या है;

(ग) क्या उक्त पर अंकुश लगाने के लिए सरकार द्वारा लागू का गई योजनाओं और कायक्रमों से इच्छित उद्देश्यों का प्राप्ति का दिशा म बहुत कम प्रभाव पड़ा है, □□ □□□ □□□तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रस्तावित कदमों का ब्यौरा क्या है;

(□) क□□ □□□□□ □□□□□ वि□□□ □□□□ □□□□ □ □□□□ 80 प्रा□□□ □च□□ (6-23 महीने) को न्यूनतम विविध □□□ष□□ □□□□ प्राप्त नहीं होता है और फलों और सब्जियों से प्राप्त कैलोरी ऊजा क्षेत्र कम है तथा भारत म दुग्ध और दुग्ध उत्पादों पर आधारित आहार का पयाप्त कमी है और यदि हां, तो इस पर सरकार का क्या प्रतिक्रिया है; □□

(ङ) सरकार द्वारा उक्त मुद्दों के समाधान के लिए क्या क□□ □□□□ □□/□□□□ □□ □□□□?

□त□□

स□□स्थ्य एवं परिवार कल्या□ □□ज□ मंत्री (श्री अश्व□□ □□□□□ □□□)

(□): □□, □□□ □□□□□ □□□□□□ □ा ''विश्वके बच्चों का स्थि□□ 2019: □च□□- □□द्□ □□□□□□□'' □□□□ वि□□□ □□ निष्क□□ □□□□□□ □□

इस रिपोट के मुख्य निष्क□ निम्न□□□□:

- 5 □□ □□□□ □□□□□3 बच्चों □ □□□□ □□□□ 01 □च□□ कुपोषित अथवा अधिक वजनी वाला है और 2 □ □□1 छुपी हुई भूख से पीड़ित है जो लाखों बच्चों को उनका पूण का क्षमता विकसित होने और वृद्धि होने का क्षमता को □□□□□ □□ □□□ □□

- □□□□□- □□ □□□□, छुपी भूख और अधिक वजन का त्रिपक्षीय भार बच्चों, □□□ व□□के□□ों, □□व□□स□□□□ और राष्ट्रों □ा □त□□□□ि□□□, वृद्धि एवं विकास के लिए खतरा है।
- बच्चों को खुराक की खराब गुणवत्ता के कारण कुपोषण की तिहरी मार होती है: 3 म से दो बच्चों □□ न□□नतम अनुशंसित खुराक नहीं मिलती है।
- □□शि□□□□□, शहरीकरण असमानता मानवतावादी संकट और जलवायु संबंधी झटके संपूण विश्व □ बच्चों □ा □□□□ □से□ि□ □ □प्रत□□ि□□ □□□□त□□ परिवतनों □□ □□□□□ □□ □□□□□
- □च□ों □□□□□□ □ सुधार के लिए खाद्य प्रणालियों को आवश्य□□□ □□□□ □□□ □च□ों □□ि□□ □□□□,□□क्षि□, किफायती और सतत आहारों को प्रदानगी कर।

(□) □□(□): □□, □□ों□

स□□स्थ्य एवं परिवार कल्या□ □त्रा□□, □□□□ □□□□□ □□□□□□□□ □□30 □□ज□ों म वष 2016 से □□ 2018 के दौरान प्रथम व्यापक राष्ट्रीय पोषण सवक्षण (सीएनएनएस) सवक्षण किया है। सीएनएनएस परिणाम □□□□□□□□□-4 की तुलना म पांच वष से कम आयु वाले बच्चों □ □□□□□ (□□□□□□□ □□□□), □□से□□ (□□□□ □□□□ □□□) □□ □□ □□□ (□□□□□□□□ □□□) □ क्र□श: 38.4 प्रतिशत से 34.7 प्रतिशत, 21.0 प्रि□□□ □□ 17.3 प्रतिशत और 35.7 प्रतिशत से 33.4 प्रतिशत से कम करते हुए सुधारों को परिलक्षित किया है।

□□□□ □□□□□ □□□□□□□, व□□□□□□□ □□□□□, □□□□□ □□□□, प्रशिक्षण एवं क्षमता निमाण, प्रौद्योगिकी का प्र□□□ □□□□□□□□: □□□□ □प्□□□□□ □□फ□□□□ (□□□□□), नवप्रवतन एवं मांग सज्रन के माध्य□ □□□□ □ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ ि□□ □□□□ □□□□□□□□□□ (□□ग्र □□□□ □□□□ प्र□□□□त्री □□□□□□□□□ □□□□□) □ि□□□□ □□ □रू ि□□□ □□

(□) □□(□): सरकार बच्चों (6-23 □□) □ □यूनतम आहार विविधता के कम प्रतिशत □□□□□□□ □□□□ □□□□ इसने पोषण अभियान की शुरूआत की है जो पोषण संबंधी जरूरत पर परिवारों को शिक्षित करने और अपने व□वहार म इनको अपनाने के लिए उन्हें प्रो□त□□हित करने पर ध्यान देता है। विभिन्न समुदायों आधारित कायक्र□ों (□□□□), प्र□□ि□□ों, □□□□ों, □□□□□□□□□□□□□ध□□ □□स□□नीय रूप से उपलब्ध पोषक खाद्य पदार्थों का संवधन करना पोषण अभियान के तहत रणनीतियों म से एक है।

□□□□ □□□□□ □न□ समथन और जागरूकता अभियानों की भी पहल की है जिनम ''□□ □□□□ □□□□'' □□□□□ □□□□ □□□□ 'ईट हैल्दी' □□ '□□ □□' □□□□ □□□स□□□ पर निमित है। संतुलित और स्वस□ □□□□ □□□□त□ □□ संबंध म सामुदायिक जागरूकता के सृजन के लिए और समूह परामश सत्रों के माध्यम से आहार संबंधी परिपाटियों म अपेक्षित बदलाव लाने के लिए ग्रा□ स□□स□ स□च□ता एवं पोषण दिवस (वीएचएसएनडी) प्लेटफाम का प्रयोग ि□□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □म□□ पोषण म फोटिफाइड गेहूँ आटा, □□□□□□□ □□□□, फोटिफाइड तेल और डबल फोटिफाइड नमक के प्रयोग को भी प्रोत्सा□□ □□□□ □□

□□□□ □□□□□ 0-6 □□□□□ □□□च□ों □□□□□□ □□□स□□स्थ्य □□□□ □से□ित म सुधार करने और कुपोषण की □□□□□□□□ □□ □□□□□□□ि□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□न्□यन कर रही है जो सरकार का एक केन्द्र प्रा□□□□□ फ्लैगशिप कायक्रम है। यह योजना 6 सेवाओं अथात् संपूरक □□□□, प्री-स□ल गैर औपचारिक शिक्षा, □□□□ □□□□ स□□स्थ्य शिक्षा, प्रतिरक्षण, स□□स्थ्य संबंधी जांच और रेफरल सेवाओं का पैकेज प्रदान करती है।

□□□□ □□□□□ राष्ट्री□ स□□स्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतगत ि□□न□ स□□स्थ्य □□□□□□□ कायकलापों □□ □□ □□□□ने□□ □□ □□ों □,□□ निम्न□□□□:

- स□नपान जल्दी शुरू करवाने तथा पहले छह माह म अनन्य रू□ □स□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□ □□□□च□ों को आहार संबंधी परिपाटियां (आईवाईसीएफ) □□ □त□श□□□2 □□ □□ □□ □□□□ अधिक आयु तक निरंतर स्त□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□
- स□□□□ □□□□ □□ प्रो□त□□□ □□□□□□ □□□क□ स□□□□ □द्धि□ □□□'□□ □□ □□□ स□□ □□क्र□□
- □□□□ □□समूहों जैसे गभवती महिलाओं, □□ वष से कम आयु के बच्चों और किशोरों म सूक्ष्म □□□ □त□ों की कमी को दूर करने के लिए सूक्ष्म अनुपूरक आहार कायक्रम
- बच्चों के लिए पांच वष की आयु तक विटामिन ए अनुपूरक आहार।
- □□□ □क्र दृ□ष□□□ □□□ध□म से कायक्रम म बच्चों, □□□□ों, गभवती महिलाओं और स्त□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□ पुनजनन आयु की महिलाओं म □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □क□ □□□ (□□□□□)□ □□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□ को अर्द्धसाप्तामहाने के बच्चों 59 □□6 □□□□, □□ वष के किशोरों 19-10 □□□□□ □□□च□ों 10-5 □□प□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ तथा गभवती महिलाओं एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को आईएफए टेबलेट देना शामिल है।
- □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□स□□□□ □□ □□ध□□ □□1-19 □□ □□ □□समूह के सभी बच्चों को एल्ब□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□ निर्धारित दिवस कायनीति के रूप म राष्ट्रीय कृमिनाशी दिवस□
- डायरिया जैसे बाल्या□स□□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□ल□□□स□□ कुपोषण को रोकती है। वार्षिक गहन डायरिया नियंत्रण पखवाड़ों (□□□□□□□□) □□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ल□□□स□□ डायरिया को नियंत्रित किया जा रहा है। आईडीसीएफ के दौरान अग्रणी कायकताओं द्वारा बच्चों □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ स□च□□□ □□□□□□□ □□ □□□-वैयक्तिक काउंसिलिंग द्वारा □□ल□□□स□□ डायरिया का उपचार किया जाता है।
- राष्ट्री□ □□□ स□स्थ्य □□क्र□ (□□□□□□□□) □□□□□ 0 □□18 □□□□□ □□ □□□च□ों □□ □□□□ स□□स्थ्य □स्□तियों के लिए जांच की जाती है जिन्ह 4□□ -□□□, □□□□□,तीव्र कुपोषण के लिए जांच सहित दोष एवं विकासात्मक विलंब म ख्गीकृत किया गया है और यह कायक्रम चिन्हि□ □□□□ □□ □□:□ल□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□प्र□□□ □□□□ □□
- □□□□□□□□□□□□□क्ष□ □□□, स□स्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की एक संयुक्त □□□ □□ जो बच्चों, □□□□□ □□□□□□□□□ स□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□ □ □□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□
- □त□□□□ □□□□ □□□□□□ (□□□□□) □□ग्रस□ रुग□ □च□ों □□ □□ स□स्थ्य □न्द्रों □ स□□□□ □□□□ पुनवास केन्द्र □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□
- बच्चों को पालने की परिपाटियों में सुधार करने, पोषण परामश और पंद्रहव महाने तक स्त□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ ध□□न देते हुए आशा कमियों द्वारा समुदाय आधारित परिचया के विस्ता□ □□□□ बालकों के लिए □□□ □□□□□ □□□□□ (□□□□□□□□□) □□ □रू□□ □□ □□ □□

ये सभी कायक्रम पोषण से संबंधित एक या अधिक पहलुओं का समाधान करते ह और इनम □□ □ □□□□ □□□□ निष्क□□ □ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□